दिल्ली पब्लिक स्कूल,जम्मू

सत्र : 2019–20

अभ्यास पत्र (आवधिक परीक्षा)

विषय : हिंदी–ब (Code-085)

कक्षा : नवीं

सामान्य निर्देश :

1. *एक अंक के प्रश्नों के उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।*
2. *दो अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।*
3. *तीन अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।*
4. *पाँच अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 120–150 शब्दों में लिखिए।*

खंड –क (अपठित अंश)

अंक– 10

प्र1) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः–

कामना में हमारी ऊर्जा निहित होती है। ऊर्जा को दबाया नहीं जा सकता। यदि उसे दबा दिया जाए तो वह किसी अन्य अवांछित मार्ग से विकृत रूप से बाहर निकलेगी। यदि लोभ का बुखार चढ़ा हुआ है तो दमन से कुछ नहीं होगा। हमें उसे लोभ को समझना होगा, उसे अनुशासित करना होगा, उसका रूपांतरण करना होगा। शांति पाने का यह तरीका कदापि नहीं हो सकता कि आप क्रोध से झगड़ने लगो। शांति पाने का तरीका है यह कि आप क्रोध की जड़ तक पहुँचो। शांति तो अशांति को समझ कर ही मिल सकती है।

दमन से हमें बचना है। कामना का दमन एक बड़ी भूल है, विनाशकारी है। दमन कोई उपलब्धि या प्राप्ति नहीं है। दमन हमें खंडित करता है। हम हिस्सों में बँट जाते हैं। शरीर, मन, हृदय, आत्मा सब हमारा ही है। सोचिए जरा! कौन किसको दबा रहा है?

दमन में निंदा है– हमारा एक हिस्सा निंदा कर रहा है, दूसरा निंदित हो रहा है। जो निन्दा कर रहा है, वह भी हम हैं और जो निंदित हो रहा है, वह भी। अपनी निंदा करके तो हम अपने बनाने वाले की ही निंदा करते हैं। दमन में विनाश है, लड़ने वाले दोनों हिस्से हमारे ही हैं। इनके संघर्ष में हमारी सकारात्मक ऊर्जा का भी नाश हो रहा है, अतः हम दमन से अपनी ऊर्जा व्यर्थ न करें।

क) ऊर्जा कहाँ निहित होती है? उसे क्यों दबाया नहीं जा सकता? (2)

ख) लोभ का शमन कैसे संभव है? क्या लोभ का दमन उचित है? (2)

ग) शांति पाने का सर्वाधिक उचित तरीका क्या है तथा क्यों? (2)

घ) दमन से हमें क्यों बचना चाहिए? स्पष्ट कीजिए। (2)

ङ) दमन से हम अपनी कैसी ऊर्जा व्यर्थ करते हैं तथा कैसे ? (1)

च) प्रस्तुत गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)

खंड –ख (व्यावहारिक व्याकरण)

अंक –13

प्र2) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए –

क) सहानुभूति , अभियान (उपसर्ग व मूल शब्द छाँटिए) (2)

ख) सामाजिक (मूल शब्द व प्रत्यय छाँटिए) (1)

ग) सम् + योग ,नमः + ते (संधि कीजिए) (2)

घ) नीरोग ,जगदीश (संधि विच्छेद कीजिए) (2)

ङ) चाँदनी (वर्ण विच्छेद कीजिए) (1)

च) ध् + ऐ + र् + य् + अ (शब्द बनाइए) (1)

प्र3) उचित स्थान पर विराम चिह्न का प्रयोग कीजिए –

क) सरिता ने कहा नही यह कैसे हो सकता है (2)

ख) वाह तुमने तो बाज़ी मार ली (1)

ग) लहरें आएँगीं और जाएँगीं ये लहरें विद्रोह क्यों नहीं कर देतीं (1)

खंड –ग

(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक) **अंक –17**

प्र4) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :– **(2*3=6)**

क) मंदिर की भव्यता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

ख) कविता ' अग्निपथ ' में कवि को कौन सा दृश्य महान लग रहा है और क्यों ?

ग) मनुष्य को क्या भान होता जिससे वह कीचड़ का तिरस्कार न करता ?

घ) चढ़ाई के समय एवरेस्ट की स्थिति कैसी थी ?

प्र5) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए :– **(5*1=5)**

क) कीचड़ के किस यर्थाथ के कारण उससे सुहानुभूति नहीं होती और हम कीचड़ के रंग कहाँ– कहाँ प्रयोग किया जाता है ?

ख) ' एक फूल की चाह ' कविता से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ?

प्र6) क) वल्लभभाई पटेल की गिर.फतारी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सिद्धांत पर हमला क्यों कहा गया ? (3)

ख) महिसागर के दोनों किनारों पर कैसा दृश्य उपस्थित था? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए। (3)

खंड –घ (लेखन) अंक–10

प्र7) फल खरीदते समय फल वाले और ग्राहक के संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। (5)

अथवा

मतदान के महत्त्व को समझाते हुए दो नागरिकों के मध्य संवाद–लेखन लिखिए।

प्र8) अब इन्वर्टर से , कम बिजली से चलने वाली ' रीगल लाईटस ' बाजार में आ गई हैं। इसके प्रचार हेतु एक विज्ञापन तैयार कीजिए। (5)

अथवा

दिए गए चित्र के आधार पर चित्र–वर्णन कीजिए –